भद्रा वन्यजीव अभयारण्य और टाइगर रिज़र्व

[स्रोत: द हिंदू](#)

कर्नाटक ने **हासन, चिकमंगलूर और कोडागु** ज़िलों में बढ़ते **मानव-हाथी संघर्ष** को प्रबंधित करने के लिये एक **"सॉफ्ट रिलीज़" स्ट्रैटजी** का प्रस्ताव दिया है, जिसके तहत पकड़े गए हाथियों को धीरे-धीरे **भद्रा वन्यजीव अभयारण्य (BWS)** में पुनर्वासित किया जाएगा।

- **सॉफ्ट-रिलीज़ स्ट्रैटजी: हाथियों को BWS में चार निर्दिष्ट स्थलों पर चरणबद्ध तरीके से छोड़े जाने से पूर्व, उन्हें अनुकूलन और स्वास्थ्य जाँच के लिये 20 वर्ग किलोमीटर के बाड़े में रखा जाएगा।**
- **भद्रा वन्यजीव अभयारण्य:** भद्रा नदी के नाम पर बने इस अभयारण्य को मुथोडी वन्यजीव अभयारण्य के नाम से भी जाना जाता है।
  - यह एक प्रोजेक्ट टाइगर रिज़र्व है, और इसमें विविध प्रकार के वन हैं, जिनमें दक्षिणी नम मिश्रित पर्णपाती वन, शुष्क पर्णपाती वन और शोला वन शामिल हैं।
    - इसमें कर्नाटक का सबसे बड़ा 400 वर्ष पुराना सागौन का वृक्ष, जगारा जायंट भी है।
  - BWS में बाघ, तेंदुए, ढोल, गौर, हिरण और हाथी सहित विविध जीव-जंतु पाए जाते हैं। यह 250 से अधिक पक्षी प्रजातियों का आश्रय स्थल है, जैसे हॉर्नबिल, मालाबार ट्रोगोन और हिल मैना, जिनमें से कई पश्चिमी घाट में स्थानिक हैं।
  - अभयारण्य वर्तमान में लगभग 450 हाथियों को आश्रय देता है, वन अधिकारियों का अनुमान है कि यह 200 और हाथियों को समायोजित कर सकता है।

और पढ़ें: [बांदीपुर टाइगर रिज़र्व]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bhadra-wildlife-sanctuary-and-tiger-reserve